



Hargharpanditji

॥ गुरुवार के व्रत का उद्देश्य ॥

॥ ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गुरुवार के व्रत का उद्देश्य ॥

गुरुवार का व्रत मुख्य रूप से भगवान बृहस्पति (गुरु देव) और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए रखा जाता है। हिंदू परंपरा में बृहस्पति देव को ज्ञान, धर्म, समृद्धि, विवाह, संतान और सौभाग्य का कारक माना गया है।

गुरुवार व्रत के प्रमुख उद्देश्य:

ज्ञान और बुद्धि की वृद्धि – शिक्षा, विवेक और सही निर्णय लेने की क्षमता के लिए।

विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करना – विशेष रूप से अच्छे वैवाहिक संबंध और योग्य जीवनसाथी की कामना के लिए।

दांपत्य सुख और सौभाग्य – पति-पत्नी के बीच प्रेम, सम्मान और सामंजस्य बढ़ाने की धार्मिक मान्यता है।

धन और समृद्धि – आर्थिक स्थिरता और घर में सुख-समृद्धि के लिए।

संतान सुख – संतान प्राप्ति और संतान के कल्याण की कामना से भी यह व्रत किया जाता है।

गुरु ग्रह की अनुकूलता – ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार कमजोर या पीड़ित बृहस्पति को शुभ करने के लिए।

आध्यात्मिक उन्नति – धर्म, सत्य, सदाचार और ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ाने के लिए।

परिवार में सुख-शांति – घर में सकारात्मकता और पारिवारिक कलह कम करने की भावना से।

आध्यात्मिक उद्देश्य

गुरुवार का व्रत केवल इच्छाओं की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान, संयम, श्रद्धा और सदाचार को जीवन में अपनाने का माध्यम माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करके व्यक्ति अपने जीवन में धर्म और सकारात्मकता को मजबूत करने का संकल्प लेता है।

मुख्य मंत्र:

ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गुरुवार का व्रत श्रद्धा, सात्त्विक आहार, सत्य आचरण और दान-पुण्य के साथ करने से इसका आध्यात्मिक महत्व बढ़ता है।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"